सांध्य दैनिक 4PM

अगर आपका मन मजबूत है और आप उसमे एक दृढ़ संकल्प स्थापित कर देते हैं तो आप अपना भाग्य बदल सकते हैं।

-परमहंस योगानंद

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 7 ● अंकः 279 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 16 नवम्बर, 2021

करतारपुर कॉरिडोर पर फैसला जल्द... 7 | तो यूपी में बदल सकते हैं सियासी... 3 | हमीरपुर में भीषण सड़क हादसा... 2

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर भाजपा और सपा में छिड़ी जंग के बीच पीएम ने किया लोकार्पण

- सुपर हरक्यूलिस विमान से एक्सप्रेस-वे की एयर स्ट्रिप पर उतरे पीएम नरेंद्र मोदी
- कहा, प्रदेश के विकास और बढ़ती अर्थव्यवस्था का प्रतीक है एक्सप्रेस-वे
- सपा ने कहा, सपा सरकार के काम का उद्घाटन कर रही भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे को लेकर भाजपा और सपा के बीच छिड़ी जंग के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज सुल्तानपुर से एक्सप्रेस-वे जनता को समर्पित किया और विपक्ष पर निशाना साधा। वहीं दूसरी ओर सपाइयों ने आजमगढ़ समेत कई जगहों पर एक्सप्रेस-वे पर फूल बरसाकर इसका सांकेतिक लोकार्पण किया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे को सपा सरकार का काम बताते हुए भाजपा पर जमकर निशाना साधा।

यूपी की जनता को पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे की सौगात देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज सी-130 जे सुपर हरक्यूलिस विमान से सुल्तानपुर पहुंचे। सुपर हरक्यूलिस सीधे एक्सप्रेस-वे की एयर स्ट्रिप पर लैंड हुआ। यहां से पीएम मोदी कार से कार्यक्रम स्थल पहुंचे। यहां लोक कलाकारों ने ढोल नगाड़ों से उनका स्वागत किया। पीएम ने पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण किया। इस मौके पर नरेंद्र मोदी ने कहा कि तीन-चार साल पहले यहां सिर्फ जमीन थी अब एक्सप्रेस-वे है। यह एक्सप्रेस-वे प्रदेश के विकास, बढ़ती अर्थव्यवस्था और संकल्प से सिद्धि का एक्सप्रेस-वे है। यह यूपी की शान है और इसके सामर्थ्य का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि पूर्वी भारत में इतनी संभावना होने के बाद भी उसको उतना लाभ नहीं मिला जितना मिलना चाहिए। यूपी में भी जिस तरह की राजनीति हुई उससे पिछली सरकारों ने प्रदेश के संपूर्ण विकास पर ध्यान ही नहीं दिया। यूपी के एक क्षेत्र को माफियावाद और गरीबी के हवाले कर दिया गया। यही प्रदेश आज विकास का नया अध्याय लिख रहा है। वहीं पीएम के भाषण के बाद एक्सप्रेस-वे पर एयर शो का आयोजन हुआ।

विपक्ष पर साधा निशाना

पीएम नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों में शिक्षा और स्वास्थ्य की स्थिति बेहद खराब थी। उस समय की कानून व्यवस्था का हाल कौन भूल सकता है। पहले राह नहीं राहजनी होती थी लेकिन आज राहजनी करने वाले जेल में हैं। स्वास्थ्य सुविधाएं लगातार बढ़ रही हैं। पहले विकास वहीं तक सीमित था जहां तक उनका परिवार होता था लेकिन हमारा मूल मंत्र सबका साथ, सबका विकास है।

अखिलेश ने कसा तंज बोले फीता आया लखनऊ से, दिल्ली से कैंची आई

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के उद्घाटन को लेकर भाजपा पर तंज कसा है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि फीता आया लखनऊ से और नयी दिल्ली से कैंची आई, सपा के काम का श्रेय लेने को मची है 'खिचम-खिंचाई। आशा है अब तक अकेले में बैठकर लखनऊ वालों ने 'समाजवादी पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे' की लंबाई का आंकड़ा रट लिया होगा। सपा 'बहुरंगी पुष्पवर्षा' से इसका उद्घाटन करके एकरंगी सोच वालों को जवाब देगी।

फिलहाल नहीं देना होगा टोल टैक्स

340 किलोमीटर का पूर्वांचल एक्सप्रेस वे का सफर तय करने में करीब 4 घंटे का वक्त लगेगा और इस एक्सप्रेस-वे के जरिए सरकार को टोल से 202 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होगा। फिलहाल लोगों को टोल टैक्स नहीं देना पड़ेगा यानी अभी कुछ दिन यह सफर मुफ्त रहेगा। ये टोल टैक्स वसूलने का काम निजी कंपनी को दिया जाएगा।

इन जिलों से गुजरता है एक्सप्रेस वे

341 किमी लंबा यह एक्सप्रेस-वे लखनऊ से होते हुए बाराबंकी, फैजाबाद, अंबेडकरनगर, अमेठी, सुल्तानपुर, आजमगढ़, मऊ और गाजीपुर से होकर गुजरता है। एक्सप्रेसवे के जरिए दिल्ली से यूपी के पूर्वी कोने तक 10 घंटे के अंदर पहुंचा जा सकता है। एक्सप्रेस-वे के तहत 18 फ्लाइओवर का निर्माण किया गया है। इसके अलावा सात रेलवे ओवरब्रिज और सात लंबे पुल का निर्माण कराया गया है। वहीं, ब्रेक फ्री ट्रैफिक के लिए 118 छोटे पुल, 271 अंडरपास और 502 पुलिया भी बनाई गई है। दुर्घटना की स्थिति को ध्यान में रखकर हर पैकेज में लाइफ सपोर्ट सिस्टम युक्त दो-दो एंबुलेंस तैनात की गई है। सैनिक कल्याण बोर्ड की ओर से भी एक्सप्रेस-वे पर सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई है। 20 पेट्रोलिंग वाहन तैनात किए गए हैं। क्रैश बैरियर भी लगाए गए हैं। एक्सप्रेस-वे पर 11 टोल टैक्स बनाए गए हैं।

मोदी से पहले सपाइयों ने किया उद्घाटन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पहले पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का समाजवादी पार्टी (सपा) के कार्यकर्ताओं ने आजमगढ़ समेत कई जिलों में सांकेतिक लोकार्पण किया। इस दौरान सपाइयों ने फूल बरसा कर साइकिल यात्रा निकाली। इस मौके पर सपा के वरिष्ठ नेता आईपी सिंह ने कहा कि आज पूर्वांचल की जनता को समाजवादी पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे समर्पित किया गया।

- सपा के वरिष्ठ नेता आईपी सिंह के नेतृत्व में आजमगढ़ में पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर बरसाए गए फूल

रिकार्ड समय में भूमि अधिग्रहण किया। तीन-तीन बजट दिए लेकिन भाजपाई उसके नाम पर फीता काट रहे है। आज अपने गांव उकरौड़ा आजमगढ़ में हमने एक्सप्रेस वे पर साइकिल चलाई और सपा का काम जनता के नाम किया। वहीं हैदरगढ़ में सपा नेता राजेश यादव ने सांकेतिक लोकार्पण किया। सांकेतिक लोकार्पण में पूर्व मंत्री दुर्गा प्रसाद यादव और विधायक नफीस अहमद समेत सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल रहे। हालांकि सांकेतिक लोकार्पण को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पहले ही बता दिया था।

सपाइयों ने एक्सप्रेस-वे पर फूल बरसाते हुए साइकिल यात्रा निकाली। साइकिल यात्रा में पूर्व मंत्री दुर्गा प्रसाद यादव, नफीस अहमद समेत अन्य कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे। सपा नेताओं ने कहा कि समाजवादी पार्टी द्वारा कराए गए कार्यों को भाजपा अपना कार्य बता रही है। साथ ही उसका नाम भी बदल रही है। इसका नाम समाजवादी पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे था, जिसे भाजपा ने बदल दिया।

हमारी सरकार में सारे माफिया जेल में हैं : केशव मौर्य

» रोजा-इफ्तार करने वाले जनेऊ दिखाने का कर रहे ढोंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि बयानवीरों से सावधान रहें, उनकी जमीन खिसक चुकी है। रोजा-इफ्तार करने वाले जनेऊ दिखाने का ढोंग कर रहे हैं। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने यह बयान बीजेपी पिछड़ा मोर्चा द्वारा आयोजित किए जा रहे सामाजिक प्रतिनिधि सम्मेलन को संबोधित करते हुए दिया है। इस दौरान उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा बीजेपी सरकार ने पिछली सरकारों से कई गुना ज्यादा काम किए हैं। इसलिए आप आने वाले चुनाव में बीजेपी के विकास कार्यों को देखते हुए कुछ जाएं भूल-याद रखें केवल नरेंद्र मोदी और कमल का फूल इस बात का ध्यान रखें।

जिस तरह से साल 2019 के चुनाव में बीजेपी को 51 प्रतिशत वोट आप सबके सहयोग व समर्थन से हासिल हुए आगे भी इस तरह ही ध्यान रखना होगा। वहीं डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने विपक्ष की पार्टियों पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा-बसपा-कांग्रेस की

तिकड़ी को जनता ने पूरी तरह से नकार दिया है और जनता जनार्दन हमारे साथ है. सपा, बसपा व कांग्रेस भ्रष्टाचार की राजनीति करती है। सपा गुंडे, माफियाओं को लेकर टहल रही है और भाजपा के रहते माफिया जेल में हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा एक ऐसी पार्टी है जिसमें रह कर कोई भी चुनाव लड़ सकता है। यहां पर जाति धर्म आदि के आधार पर टिकट का बंटवारा नहीं किया जाता बल्कि आपकी योग्यता के आधार पर आप को टिकट दिया जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के गरीबों के लिए अपने खजाने खोलकर राशन को उपलब्ध कराया और किसानों को साल में 2-2 हजार की तीन किस्तों देने का कार्य किया। यदि राज्य में कोई और सरकार होती तो यह राशन और धनराशि निश्चित ही उनके भ्रष्टाचार में गुम हो चुकी होती।

हनुमान की तरह खड़े हैं कार्यकर्ता, नहीं रुकेगा भाजपा का विजय रथ

यूपी में कोई भी गठबंधन भाजपा के विजयरथ को नहीं रोक पाएगा। पार्टी के कार्यकर्ता हनुमान की तरह सरकार के साथ खड़े हैं। डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने कहा कि सपा मुखिया अखिलेश यादव मुंगेरीलाल की तरह सपना देख रहे हैं। दोबारा सत्ता में वे आने से रहे। भाजपा ने सभी को साथ लेकर बिना भेदभाव के विकास किया है। जिले की तीनों विधानसभा सीटों पर काम व सेवा के दम पर पार्टी जीतेगी। आज माफिया जेलों में हैं। कांग्रेस व सपा सरकार में पूर्वांचल की जनता पर गुंडे, माफिया राज करते थे। केशव ने दावा किया कि सूबे की अधिकांश सड़कें गड्ढामुक्त हो गई हैं। जनता से आह्वान किया कि माफियाओं से डरने की जरूरत नहीं है। बूथों पर पहुंचकर भाजपा को वोट करें।

सत्ता में आते ही किसानों को देंगे सात गारंटी : भगवंत मान

» उत्तराखंड में आप सांसद ने किसान संकल्प पत्र का किया विमोचन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में किसान संकल्प यात्रा को लेकर आम आदमी पार्टी के पंजाब के अध्यक्ष और सांसद भगवंत मान काशीपुर पहुंचे। काशीपुर में उन्होंने आप कार्यालय में किसान संकल्प पत्र का विमोचन किया और बताया सत्ता में आते ही आप किसानों को सात गारंटी देगी। जिसका जिक्र इस संकल्प पत्र में दिया गया है। इस मौके पर भगवंत मान ने कहा कि देश के साथ-साथ उत्तराखंड के किसान भाई बिल्कुल न घबराएं, क्योंकि आम आदमी पार्टी पूरी तरह से किसानों के साथ खड़ी है।

उन्होंने कहा उत्तराखंड में आम आदमी पार्टी की सरकार आने पर किसानों को 24 घंटे फ्री बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने तीनों काले कृषि कानूनों को किसानों की मौत का वारंट बताया और कहा कि आम आदमी पार्टी केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए तीनों काले कृषि कानूनों को उत्तराखंड में लागू ही नहीं होने देगी। भगवंत मान ने कहा कि किसानों की गेहूं और धान की फसल पच्चीस सौ तथा गन्ने की फसल 400 रुपए प्रति कुंतल की दर से खरीदी जाएगी। आप सांसद मान ने यह भी घोषणा की कि हमारी सरकार आने पर उत्तराखंड की बंद पड़ी शुगर मिलों को 90 दिन के भीतर दोबारा शुरू किया जाएगा और प्रदेश में पांच आधुनिक शुगर मिले और लगाई जाएंगी।

कोविड काल में सोशल मीडिया तक सीमित रहा विपक्ष : पाठक

» भाजपा की जीत सुनिश्चित करने का कार्यकर्ताओं से आह्वान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विधि एवं न्याय मंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि विपक्ष ने जनता से संपर्क छोड़ दिया। कोरोना काल में विपक्ष सिर्फ सोशल मीडिया तक सीमित रहा। यह बात उन्होंने अपने आवास पर मध्य विधानसभा कार्यकर्ता सम्मान समारोह में कार्यकर्ताओं का सम्मान करते हुए कही। अपने आवास पर उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया। इस दौरान उनको बीते दिनों अलग-अलग कार्यक्रमों में जितने भी स्मृति चिह्न मिले थे, वह सभी कार्यकर्ताओं में बांट दिए।

उन्होंने कहा कि वह आज जो कुछ भी हैं वह इन्हीं कार्यकर्ताओं की बदौलत हैं। इसलिए वह हर बार अपने कार्यकर्ताओं का इसी तरह सम्मान करके उनका आभार प्रकट करते हैं। मध्य विधान सभा कार्यकर्ता सम्मान समारोह का आयोजन उनके राज भवन कॉलोनी स्थित आवास पर किया गया। सैकड़ों कार्यकर्ताओं को इस मौके पर अंग वस्त्र और प्रतीक चिह्न भेंट किए गए। इस मौके पर कार्यकर्ताओं ने कहा कि जब कोविड महामारी से पूरा देश जूझ रहा था उस समय मंत्री ब्रजेश पाठक अपने कार्यकर्ताओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर जनता की सेवा में तत्पर थे। भोजन, ऑक्सीजन, दवाओं की व्यवस्था करनी हो तो रात के दो बजे भी वह सभी के लिए उपलब्ध रहते थे। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री ने सभी मण्डलों के कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं दी और उनका उत्साह बढ़ाया। साथ ही विधान सभा चुनाव के लिए जी-जान से जुटने और पार्टी की जीत सुनिश्चित करने का आह्वान किया। पाठक ने सभी मंडलों के कार्यकर्ताओं को आगामी 2022 के चुनाव की तैयारी के दृष्टिगत जी-जान लगाकर जुटने एवं भारी मतों से भाजपा की जीत सुनिश्चित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रदेश मुख्यालय प्रभारी भारत दीक्षित, सह प्रभारी चौधरी लक्ष्मण सिंह, अनुसूचित जाति आयोग सदस्य रमेश तूफानी, पूर्व संगठन मंत्री अशोक तिवारी आदि मौजूद रहे।

भाजपा करा सकती है मेरी हत्या : राजभर

» झूठे मुकदमों में फंसाने की हो रही साजिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वाराणसी के चौबेपुर में भागीदारी संकल्प मोर्चा में शामिल भागीदारी पार्टी (पी) की ओर से आयोजित वंचित, पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक महापंचायत में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा मेरी हत्या करा सकती है।

मुझे झूठे मुकदमों में फंसाने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने कहा वर्तमान समय में देश में महंगाई चरम पर है और नौजवान घूम रहे हैं। 2022 में जनता चुनाव में इसका जवाब देगी। चौबेपुर के मुनारी मैदान में आयोजित कार्यक्रम में भागीदारी संकल्प मोर्चा के संयोजक ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि जिस तरह बंगाल में खेला हुआ था। ठीक उसी तरह 2022 में यूपी विधानसभा चुनाव में खदेड़ा होबे भाजपा होगा। भागीदारी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेमचंद प्रजापति ने कहा कि सपा के साथ गठबंधन सरकार को उखाड़ फेंकने का कार्य करेगा।

60 प्लस के मिशन को सफल बनाएं कार्यकर्ता : नड्डा

» भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अल्मोड़ा में ली भाजपा कोर ग्रुप कमेटी की बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कार्यकर्ता पूरी मजबूती के साथ आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए काम करें और पार्टी के 60 प्लस मिशन को सफल बनाएं। नड्डा अल्मोड़ा में कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र दे गए। नड्डा ने कहा कि कार्यकर्ता और पदाधिकारी जमीनी स्तर पर काम करें। मंडलों व बूथ स्तर पर भ्रमण करें साथ ही विधानसभा प्रभारी के साथ नियमित रूप से बैठकें करें।

प्रवास के दौरान विधानसभा क्षेत्र में पार्टी की मजबूती और कमजोरी का अध्ययन कर

उस हिसाब से व्यूह रचना करें और पार्टी की जीत सुनिश्चित करते हुए 60 प्लस मिशन को सफल बनाएं। उन्होंने कहा विधानसभा क्षेत्रों में बूथों की ए,बी,सी,डी श्रेणी बनाई गई हैं। सभी कार्यकर्ता ए श्रेणी के बूथ को ए प्लस, बी को ए श्रेणी, सी को बी श्रेणी और डी को सी श्रेणी में अपग्रेड करने के लिए कार्य करें। उन्होंने कहा कि पार्टी सभी कार्यकर्ताओं पर नजर रख रही है। पार्टी के लिए काम करने वालों पर भी पार्टी की नजर है। बूथ पर करने के लिए 24 काम हैं जिन्हें प्रभावी ढंग से करना है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि वह सेवक के रूप में जनता के लिए काम कर रहे हैं। चार माह के कार्यकाल में उनकी सरकार ने 400 से अधिक जनहित के फैसले लिए हैं। कार्यकर्ता सरकार के कार्यों को जनता तक पहुंचाएं। लोग भाजपा की ओर आशा भरी निगाह से देख रहे हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा इस बार भी सरकार बनाएगी।

तो यूपी में बदल सकते हैं सियासी समीकरण, प्रियंका की विपक्ष के नेताओं से मुलाकात ने बढ़ायी हलचल

» कांग्रेस महासचिव की मायावती, अखिलेश और जयंत से मुलाकात से चढ़ा सियासी पारा

» भाजपा को घेरने के लिए आंतरिक समझौते की रणनीति बनाने की चर्चा भी गर्म

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में सियासी वनवास काट रही कांग्रेस इस बार कोई कोर-कसर नहीं छोड़ना चाहती है। सियासी सरगर्मियों के बढ़ने के साथ राजनीतिक गठजोड़ और सियासी समीकरण भी बदलते नजर आ रहे है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी बीते रविवार को अचानक दिल्ली में बसपा सुप्रीमो मायावती की मां के निधन पर श्रद्धांजलि देने पहुंची। इसके पहले कांग्रेस महासचिव के साथ दो बड़े नेताओं के साथ अचानक एयरपोर्ट पर मुलाकात हुई थी। इसी तरह प्रियंका की अखिलेश यादव के साथ एक ही फ्लाइट में दिल्ली से लखनऊ लौटते समय उनकी एक फोटो खूब वायरल हुई थी।

प्रियंका गांधी प्रदेश में कांग्रेस को किसी भी तरह एक सम्मानजनक संख्या मे सीटें दिलाना चाहती हैं। इसके लिए उनका अन्य गैर भाजपा दलों से कोई परोक्ष या प्रत्यक्ष समझौता होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। उधर, कांग्रेस के प्रवक्ता अंशु अवस्थी कहते हैं कि उत्तर प्रदेश पिछले 32 साल से गैर कांग्रेसी सरकारों में सभी दलों को देख चुका है। प्रदेश में जो आर्थिक विकास दर 1989 में 13 फीसदी थी, वह घटकर आधे से भी नीचे चली गई और उसका परिणाम यह हुआ कि प्रदेश में रोजगार खत्म हो गए। उन्होंने कहा कि सिर्फ जाति और धर्म की राजनीति करके प्रदेश को लूटते रहे और 2022 में उत्तर प्रदेश की जनता कांग्रेस को सरकार बनाने का मौका देने जा रही है क्योंकि भाजपा या सपा- बसपा के पास प्रदेश के लिए नीति और नियत नहीं है। बावजूद इसके प्रियंका का छोटे दलों के बड़े नेताओं के मिलना कुछ और ही संकेत दे रहा है। माना जा रहा है कि भाजपा को घेरने के लिए कांग्रेस अंदरखाने कुछ दलों से आंतरिक समझौता कर सकती है।

अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने बुलंदशहर में बड़ा ऐलान किया। प्रियंका गांधी ने कहा कि कांग्रेस यूपी के आगामी विधान सभा चुनाव में किसी से भी गठबंधन नहीं करेगी और अकेले दम पर चुनाव लड़ेगी।

कार्यकर्ताओं से लोगों को जोड़ने की अपील

प्रियंका गांधी ने कहा कि चुनावों में तीन महीने का ही वक्त रह गया है, ऐसे में बिना डरे संगठन को मजबूत करने और संगठन में कार्यकर्ताओं को बढ़ाने के कार्यक्रम में जुट जाइए। हर घर जाकर पार्टी के संकल्पों के बारे में लोगों को बताइए। उन्हें अपने साथ जोड़िए। अगले दो महीने का लक्ष्य बताते हुए प्रियंका गांधी ने कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को संगठन के प्रसार के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल करने के लिए कहा।

पूर्वांचल दौरे से लोक सभा चुनाव के लक्ष्य को भी साध गए शाह

» पूरी ताकत से योगी के साथ खड़े होने का दिया संदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पूर्वांचल दौरे से इस इलाके में भाजपा की सियासी बाजी सजा गए। उनकी एक-एक गतिविधि और एक-एक शब्द में भाजपा के सियासी अमोघ अस्त्रों को धार देने की कोशिश का हिस्सा दिखा। शाह राजनीतिक संदेश देने के साथ अपनी भूमिका को लेकर चल रहे कयासों पर विराम लगाने की भी कोशिश करते दिखे। इस दौरे में गृह मंत्री ने 2022 के जरिए 2024 की चुनावी जमीन भी पुख्ता बनाने के समीकरण साधे। शाह ने बाबा विश्वनाथ की धरती और पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र के साथ सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के संसदीय इलाके से यह संदेश देने की कोशिश की कि वह पूरी ताकत से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनके निर्णयों के साथ खड़े हैं।

राजनीतिक विश्लेषक रतनमणि लाल कहते हैं कि राजनीति में किसी नेतृत्व पर भरोसा न सिर्फ उस राज्य के लोगों को सरकार की स्थिरता का संदेश देता है बल्कि असमंजस खत्म करने के साथ अनावश्यक चर्चाओं पर भी विराम लगाता है, जिसका संबंधित पार्टी को काफी दूरगामी लाभ मिलता है क्योंकि सियासी असमंजस खत्म होने से उस पार्टी को जन समर्थन बढ़ता है। भाजपा पदाधिकारी कहते हैं कि 2024 में होने वाले लोक सभा चुनाव की दृष्टि से यूपी का 2022 का विधान सभा चुनाव काफी अहम है। यह चुनाव सिर्फ जीत-हार ही नहीं तय करने जा रहा है बल्कि यूपी का राजनीतिक भविष्य भी तय करेगा। लोकसभा में यूपी की 80 सीटें 2022 के विधान सभा चुनाव के नतीजों से सीधे प्रभावित होंगी। भाजपा के लिए 2022 सिर्फ यूपी में सरकार बनाने के लिए महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि 2024 का चुनाव जीतने का माहौल बनाकर देश के राजनीतिक पटल पर अपनी भूमिका को अपराजेय बनाने का संदेश देने का भी मौका है।

मच्छर व माफिया के पीछे भी है संदेश

शाह ने योगी को प्रदेश को दंगामुक्त कराने वाला और मच्छर व माफिया से मुक्त कराने वाला बताकर न सिर्फ यह समझाने की कोशिश की कि कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर भाजपा सरकार ने किस तरह काम किया है, बल्कि यह संदेश देने की भी कोशिश की कि योगी परिपक्व और कठोर प्रशासक हैं। शाह ने आजमगढ़ को सरस्वती धाम तथा योगी ने आर्यमगढ़ कहकर एक तरह से इस इलाके की कट्टरवादी पहचान को भी बदलने के संकेत दिए। जिस तरह आजमगढ़ की छवि आतंकवादियों के गढ़ की रही है, उसको देखते हुए शाह और योगी की बातों के दूरगामी निहितार्थ काफी अहम हैं।

राजनीतिक गणित भी है अहम

पूरे पूर्वांचल की बात करें तो यहां लोक सभा की 22 और विधानसभा की 124 सीटें हैं। वर्ष 2019 में भाजपा को 2014 के मुकाबले लोक सभा चुनाव में कम सीटें मिलीं। ऊपर से आजमगढ़ भाजपा की प्रमुख प्रतिद्वंद्वी सपा का ऐसा गढ़ है जहां 2014 हो या 2017 अथवा 2019, भाजपा को वैसी सफलता नहीं मिली जैसी पूर्वांचल के अन्य स्थानों पर मिली। आजमगढ़ मंडल में आजमगढ़, मऊ और बलिया को मिलाकर विधान सभा की 21 सीटें हैं। इनमें 2017 में भाजपा को नौ सीटें मिली थीं। मंडल की 21 सीटों में सिर्फ आजमगढ़ में ही विधानसभा की 10 सीटें हैं। इनमें 2017 में पांच पर सपा और चार पर बसपा का कब्जा हुआ था। भाजपा को मात्र एक सीट पर जीत मिली थी। आजमगढ़ से सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के सांसद होने से यह एक तरह पूर्वांचल में सपा की साख का भी प्रतीक है इसीलिए भाजपा के लिए सपा के इस गढ़ पर फतह का अर्थ कई समीकरण साधता है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

ग्लासगो समझौते के निहितार्थ

स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित जलवायु सम्मेलन में पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्बन उत्सर्जन को कम करने पर दुनिया के करीब दो सौ देशों ने अपनी मुहर लगा दी। तय किया गया कि ग्लोबल वार्मिंग को कम करने के लिए कोयले के उपयोग को धीरे-धीरे घटाया जाएगा। साथ ही अक्षय उर्जा को बढ़ावा दिया जाएगा। हालांकि इसके पूर्व विकसित देश जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने पर बल दे रहे थे। सवाल यह है कि क्या ग्लासगो समझौता जमीन पर उतर सकेगा? क्या दुनिया के विकासशील देश अपने राष्ट्रीय हितों को नजरअंदाज कर जीवाश्म ईंधन के प्रयोग को कम कर सकेंगे? क्या अक्षय ऊर्जा के व्यापक प्रयोग के लिए विकासशील देशों के पास उन्नत तकनीक और पूंजी है? क्या विकसित देश ग्लोबल वार्मिंग को कम करने में विकासशील देशों की निकट भविष्य में मदद करेंगे?

सवाल यह है कि क्या ग्लासगो समझौता जमीन पर उतर सकेगा? क्या दुनिया के विकासशील देश अपने राष्ट्रीय हितों को नजरअंदाज कर जीवाश्म ईंधन के प्रयोग को कम कर सकेंगे? क्या अक्षय ऊर्जा के व्यापक प्रयोग के लिए विकासशील देशों के पास उन्नत तकनीक और पूंजी है? क्या विकसित देश ग्लोबल वार्मिंग को कम करने में विकासशील देशों की निकट भविष्य में मदद करेंगे?

ग्लोबल वार्मिंग ने खतरे की घंटी बजा दी है। जीवाश्म ईंधनों के प्रयोग से उत्पन्न कार्बन और ग्रीन हाउस गैसों के कारण पृथ्वी का तापमान तेजी से बढ़ रहा है। इसके कारण सूखा, बाढ़ और तूफानों का दायरा बढ़ा है। विश्व के तमाम देश चिंतित हैं और इससे निपटने के लिए 2015 में पेरिस समझौता भी किया गया था। इस समझौते से विश्व के तमाम देशों ने जलवायु परिवर्तन से निपटने की रूपरेखा तय की थी। वहीं 2021 में हुए ग्लासगो समझौते ने इसको एक कदम और आगे बढ़ाया है। हालांकि इस समझौते को विकसित देशों ने बड़े ही बुझे मन से स्वीकार किया है। ये देश ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के लिए विकासशील देशों पर जीवाश्म ईंधन विशेषकर कोयले, तेल आदि के प्रयोग को चरणबद्ध तरीके से बंद करने का दबाव बना रहे थे लेकिन भारत समेत कई विकासशील देशों ने इससे इंकार कर दिया और कहा कि ऐसा करने से उनके यहां विकास पूरी तरह ठप हो जाएगा जबकि वे गरीबी को खत्म करने के लिए लड़ रहे हैं। लिहाजा जीवाश्म ईंधन को कम करने पर सहमति बनी। इसमें दो राय नहीं है कि ग्लोबल वार्मिंग के लिए विकसित देश सबसे अधिक जिम्मेदार हैं लेकिन वे इसका ठीकरा विकासशील देशों पर फोड़ना चाहते हैं। भले ही ग्लसगो समझौते पर विकासशील देशों ने हामी भर दी हो लेकिन वे इसका पालन बिना विकसित देशों की मदद के नहीं कर सकते हैं। इसकी बड़ी वजह यह है कि उनके पास अक्षय उर्जा मसलन, सौर और पवन ऊर्जा के व्यापक उत्पादन और संचालन की तकनीक नहीं है। साफ है यदि ग्लोबल वार्मिंग को रोकना है तो विकसित देशों को बड़ा मन दिखाना होगा और विकासशील देशों की हर तरह से मदद करनी होगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कोविड के प्रभावी इलाज की ओर

मुकुल व्यास

वैज्ञानिक इन दिनों ऐसी दवाएं और वैक्सीन खोजने में जुटे हुए हैं जो कोरोना वायरस के अलावा उसके वेरियंट्स और दूसरे कोरोना वायरसों के खिलाफ कारगर हो सकें। अमेरिका की ड्यूक यूनिवर्सिटी और नॉर्थ कैरोलिना यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने एक ऐसी एंटीबॉडी की पहचान की है जो कई प्रकार के कोरोना वायरसों से होने वाले संक्रमणों की गंभीरता को कम करती है। इस अध्ययन के प्रमुख लेखक बार्टन हेंस ने कहा कि यह एंटीबॉडी वर्तमान कोरोना महामारी से निपटने में उपयोगी हो सकती है। भविष्य में जानवरों से मनुष्यों में जंप करने वाले वायरसों से पैदा होने वाली नयी बीमारियों से जूझने में भी यह एंटीबॉडी कारगर हो सकती है।

हेंस और उनके सहयोगियों ने मूल सार्स-कोव-1 से संक्रमित हुए एक मरीज और वर्तमान कोविड के एक मरीज के रक्त के नमूनों का विश्लेषण करने के बाद इस एंटीबॉडी की पहचान की। उन्होंने दोनों मरीजों में 1700 से अधिक एंटीबॉडीज की पहचान की। इनमें से उन्होंने पाया कि 50 एंटीबॉडीज ऐसी हैं जो सार्स-कोव-1 और सार्स-कोव-2 वायरसों के साथ जुड़ सकती हैं। उन्होंने पाया कि इनमें से एक एंटीबॉडी जानवरों से आने वाले समस्त कोरोना वायरसों को निष्प्रभावी करने में सक्षम है। शोधकर्ताओं ने चूहों पर इस एंटीबॉडी का परीक्षण किया। शोधकर्ताओं ने देखा कि इस एंटीबॉडी ने चूहों को सार्स, कोविड-19 और उसके वेरियंट्स के अलावा दूसरे कोरोना वायरसों से भी सुरक्षा प्रदान की। शोधकर्ताओं का कहना है कि इस खोज से कोरोना वायरस परिवार और उनके वेरिएंट के खिलाफ एक कारगर यूनिवर्सल वैक्सीन का डिजाइन तैयार करने में मदद मिलेगी। वैज्ञानिकों का एक दूसरा दल यह जानने की कोशिश कर रहा है कि कुछ व्यक्ति कुदरती रूप से कोविड को कैसे झेल लेते हैं और क्या उनकी इस खूबी का चिकित्सीय इस्तेमाल हो सकता है। दो मनुष्यों में कम से कम 99.9 प्रतिशत आनुवंशिक समानता होती है लेकिन 0.1 प्रतिशत का अंतर एक-दूसरे को कुछ अलग बनाता है। जीनों में इस फर्क के कारण कुछ लोग रोगों का प्रतिरोध कर सकते हैं और कुछ उनके शिकार हो सकते हैं। ऐसा कुछ खास जीनों की वजह से होता है। यदि हम इन जीनों को बेहतर ढंग से समझ सकें तो इससे न केवल व्यक्ति को बल्कि पूरे समाज को फायदा हो सकता है। दुनिया में फैली

कोरोना महामारी के दौरान संक्रमित होने वाले लोगों में भिन्नता दिखाई दी। कुछ लोगों में बीमारी के लक्षण नहीं दिखे जबकि कुछ गंभीर रूप से बीमार हो गए। ग्रीस में एकेडमी ऑफ एथेंस के इम्युनोलॉजिस्ट इवानगेलोस आंद्रियाकोस ने अपने शोधपत्र में लिखा है कि दिसंबर, 2019 में नयी बीमारी के प्रकट होने के बाद कोविड के बारे में हमारी समझदारी में काफी वृद्धि हुई है लेकिन हम अभी तक यह नहीं जानते कि कुछ लोगों में कोविड के खिलाफ जन्मजात प्रतिरोध का आनुवंशिक कारण क्या है और इसका क्या इम्यून सिस्टम से भी कोई संबंध है। मानव कोशिका में दाखिल होने या उसमें अपना विस्तार करने के लिए वायरस को एसीई 2 रिसेप्टर प्रोटीन की जरूरत पड़ती है। शोधकर्ताओं का कहना है कि आबादी में कुछ लोगों में कोविड के खिलाफ आनुवंशिक प्रतिरोधकता के कारणों की पड़ताल करना जरूरी है और इसके लिए उन्होंने कुछ सुझाव भी दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों में कोरोना के संक्रमण के विरुद्ध कुदरती प्रतिरोध है, उनकी पहचान करनी चाहिए। शोध के लिए ऐसे लोगों की भर्ती की जानी चाहिए और उनका आनुवंशिक विश्लेषण किया जाना चाहिए। शोधकर्ताओं का कहना है कि अध्ययन के लिए 400 से अधिक लोगों को सूचीबद्ध किया जा चुका है। कोविड के खिलाफ वैक्सीन और दवाएं विकसित होने तथा वायरस के बारे में समझ बढ़ने के बाद कुछ जगहों पर जीवन सामान्य दिखने लगा है लेकिन कोविड अभी लंबे समय तक हमारे बीच रहेगा। यदि हमें ऐसे लोग मिल जाएं जो आनुवंशिक दृष्टि से कोविड को झेलने में सक्षम हैं तो इससे शेष अन्य लोगों को फायदा हो सकता है। इस तरह का अध्ययन भविष्य में वायरस की नयी खतरनाक किस्मों का मुकाबला करने में भी सहायक होगा।

इस बीच, ब्रिटेन के वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि कोविड से ठीक होने वाले मरीजों में कम से कम दस महीने तक एंटीबॉडीज बनी रहती हैं। उन्होंने संक्रमित होकर ठीक होने वाले मरीजों के रक्त के नमूनों का विश्लेषण करने के बाद यह बात कही है। पहले यह समझा गया था कि सार्स-कोव-2 की एंटीबॉडीज दूसरे कोरोना वायरसों की एंटीबॉडीज की तरह अल्पकालिक होंगी और प्रभावित व्यक्ति में संक्रमण फिर हो सकता है। भविष्य में नयी वैक्सीन का डिजाइन तैयार करने में यह खोज सहायक हो सकती है।

आदिवासी कला की समकालीनता

अनुज लुगुन

सन् अस्सी के आस-पास 'भारत भवन' के निर्माण की परिकल्पना चल रही थी तब यह अनुमान लगा पाना मुश्किल था कि आने-वाले दिनों में आदिवासी चित्रकला समकालीन भारतीय चित्रकला को अपनी आद्य शैली और भाव-भंगिमाओं से समृद्ध करनेवाली है। यद्यपि इससे बहुत पहले महाराष्ट्र के जीव सोमा माशे वारली आदिवासी समुदाय की 'वारली चित्रकला' को स्थापित कर चुके थे। भोपाल में निर्मित भारत भवन का उद्घाटन 1982 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने किया था। उस समय भारत भवन के 'रूपंकर' (ललित कला संभाग) के निदेशक थे मशहूर चित्रकार, कवि और कला समीक्षक जगदीश स्वामीनाथन। आदिवासी कला की समकालीनता पर विचार करते वक्त भारत भवन और जगदीश स्वामीनाथन का उल्लेख स्वाभाविक है.

जब भारत भवन का निर्माण कार्य चल रहा था, तो वहां आदिवासी मजदूर भी जाते थे। उन्हीं में से एक थीं भूरी बाई। भारत भवन के निदेशक जगदीश स्वामीनाथन ने भूरी बाई और उनके साथ काम करने वाली महिलाओं से कहा कि वे जैसे अपने घर की दीवारों पर चित्र बनाती हैं वैसा ही चित्र कागज पर बना कर दिखायें। भूरी बाई को छोड़कर दूसरी महिलाएं तैयार नहीं हुईं। भूरी बाई ने चित्रों को कागज पर उकेरना शुरू कर दिया। यह समकालीन भारतीय चित्रकला की अभूतपूर्व घटना थी। माना जाता है कि भूरी बाई भील चित्रकला (पिथौरा कला) को कागज और कैनवास पर उकेरने वाली इतिहास की पहली व्यक्ति हैं। उन्होंने आद्य शैली और भंगिमाओं से भारतीय कला का संवर्धन किया। कुछ दिन पहले ही महामहिम राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने उन्हें पद्मश्री सम्मान से सम्मानित किया है। यह आदिवासी कला के देय का सम्मान है। जगदीश स्वामीनाथन ने गोंड चित्रकला के सबसे लोकप्रिय कलाकार जनगढ़ सिंह श्याम की भी खोज की। उन्होंने समकालीन कला कृतियों के अलावा लोक आदिवासी कलाओं की विशिष्ट प्रदर्शनी को स्थापित किया।

जीव सोमा माशे, भूरी बाई और जनगढ़ सिंह श्याम आदिवासी चित्रकला के ऐसे कलाकार हैं जिन्होंने आदिवासी कला को समकालीन बनाया। आदिवासी समाज की कला की अभिव्यक्ति को पारंपरिक माध्यमों से बाहर निकाल कर उन्होंने कागज और कैनवास तक पहुंचाया। उन्होंने कथाओं, गीतों, स्मृतियों में मौजूद आदिवासी जीवन को दुनिया के सामने प्रस्तुत किया है। जीव सोमा की वारली पेंटिंग्स में सहज ही आदिवासी जीवन के दर्शन को देखा जा सकता है। उनके चित्र ही इस सामंती मिथ को तोड़ने के लिए काफी हैं कि आदिवासी समाज की कोई सामाजिक व्यवस्था नहीं होती है, उन्हें कथित सभ्य लोगों के मार्गदर्शन की जरूरत होती है। जनगढ़ सिंह श्याम ने गोंड आदिवासी समाज की गीति परंपरा में मौजूद कथाओं से पात्रों और रंगों को खोज निकाला। इनके चित्रों में आनेवाले पेड़, पहाड़ और जीवचर आदिवासी जीवन के मिथकीय चरित्र हैं। विशाल नाग के फन पर उगा विशाल वृक्ष हो या केकड़े के शरीर पर हाथी का सिर हो या उलटा लटका बाघ हो आदि सभी आदिवासी दुनिया के मिथकों को सामने लाते हैं।

ये पुराने आवरण में नहीं आते बल्कि जिन रंगों में ये प्रस्तुत किये जाते हैं वे नये अर्थों को सृजित करतें हैं। इसी तरह भूरी बाई की कलाओं को भी देखा जा सकता है। भूरी बाई के चित्रों में आने वाले मिथकीय चरित्र या देवता अनादि काल से इस प्रकृति का संरक्षण करते हुए दिखायी देते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि वे आज भी मनुष्यों से संवाद कर रहे हैं और उनकी हर गतिविधि पर नजर रखे हुए हैं। चित्रों में डॉट या बिंदी का प्रयोग उनके चित्रों की खास शैली है। उनके चित्रों में औद्योगिक जीवन और आदिवासी जीवन के संक्रमण का सजीव रेखांकन है। आदिवासी कलाओं की सबसे बड़ी विशेषता यह होती है कि ये औपनिवेशिक विचारों और प्रभावों से मुक्त होती हैं। कथित आधुनिकता के नाम पर ये औपनिवेशिकता की अनुचर नहीं हैं बल्कि इनकी मौलिकता ही देशज आधुनिकता की प्रस्तावक हैं। आदिवासी कलाओं की शैली प्राचीन हैं। ये शैलचित्रों की शैली हैं, जो गुफाओं से या खुदाई में प्राप्त हुई हैं। ये पुरा-पाषाणकालीन हैं। भीमबेटका और सिंधु घाटी में प्राप्त चित्रों की शैली से इनकी समानता है। वारली चित्रकला हो या गोंड चित्रकला या भीली आदि कलाओं में इस शैली का विस्तार है। झारखंड की जादू-पाटिया और सोहराई कला में भी इस शैली का विस्तार और उसका परिष्कृत रूप देखने को मिलता है। ये मानव सभ्यता की आद्य शैलियां हैं। आदिवासी कलाओं में इन शैलियों का अनुकरण मात्र नहीं है। आदिवासी कलाओं ने इन शैलियों में समकालीन जीवन को चित्रित किया है और यही प्रवृत्ति उनकी कला को समकालीन बनाती है यद्यपि इस दिशा में अभी और रचनात्मक प्रयोग करना बाकी है। भारतीय कला की आद्य शैलियां संस्थागत प्रयास और वैचारिक सहयोग की अपेक्षा करती हैं। पहले जीव सोमा राष्ट्रपति द्वारा पद्मश्री सम्मान से सम्मानित किये गये और अब भूरी बाई पद्मश्री सम्मान से सम्मानित की गयी हैं। यह गौरव का क्षण है। औपनिवेशिक और अभिजन कला-दृष्टि से संघर्ष भी आदिवासी कलाकार का संघर्ष होता है। इसके लिए एक स्वामीनाथन और एक 'रूपंकर' के साथ की जरूरत महसूस होती है।

ब्लड शुगर को कंट्रोल करते हैं मूली के पत्ते

मूली का सेवन तो आप करते ही होंगे। ये स्वाद में तो बेहतरीन होती ही है वहीं इसके सेवन से शरीर को लाभ मिलते हैं। मूली के सेवन से शरीर की अत्यधिक समस्याएं दूर हो जाती हैं। वहीं ये पेट से जुड़ी बीमारी के खतरे को दो गुना कम करता है। साथ ही साथ इसके रोजाना सेवन से पेट में दर्द, गैस, अपच जैसी समस्याएं दूर हो जाती हैं। आपको बताते चलें कि मूली ही नहीं इसके पत्ते भी बहुत ही ज्यादा लाभदायक होते हैं। यदि आप मूली के पत्तों को अपनी डाइट में शामिल करते हैं तो इससे ब्लड शुगर कंट्रोल करने में मदद करता है। यदि आप भी ब्लड शुगर को करना चाहते हैं कंट्रोल तो डाइट में शामिल कर सकते हैं मूली के पत्तियों को।

मूली के पत्तों के सेवन से और कौन-कौन से हो सकते हैं फायदे

पेट को रखता है साफ

यदि आप मूली के पत्तों को अपनी डाइट में शामिल करते हैं तो इससे पेट साफ रखने में काफी हद तक मदद मिलती है। पेट को साफ रखने में, इम्युनिटी को बूस्ट करने में आप रोजाना इसके पत्तों को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। इसके रोजाना सेवन से शरीर में अनेकों बीमारियां दूर हो जाएंगीं वही सेहत को भी ढेरों लाभ मिलेगा। आप इसके रस को नमक डालकर अथवा मिर्च डालके सब्जी बना सकते हैं। सब्जी यदि आपको नहीं पसंद आती है तो ऐसे में जूस का भी आप सेवन कर सकते हैं।

थकान की समस्या को दूर करने में होता है मददगार

यदि आप जल्दी-जल्दी थक जाते हैं तो ऐसे में मूली के पत्तों का सेवन फायदेमंद हो सकता है। इसका यदि आप सुबह नाश्ते में सेवन करते हैं तो ये एनर्जी बूस्टर की तरह काम करता है। मूली के पत्तों मात्रा में थायमिन नामक तत्त्व पाया जाता है। वहीं इसमें साथ ही साथ इसमें आयरन की भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। ये शरीर में कई सारी दिक्क़तों को दूर करने में मददगार होते हैं।

मूली के अन्य फायदे

मूली के साथ-साथ इसके पत्तों में भी अनेकों फायदे होते हैं। इसके पत्तों में अनेकों फायदे होते हैं, मूली के पत्तों का सेवन बॉडी को डिटॉक्स करने में भी सहायता करता है। वहीं इसके सेवन से शरीर में वाइट सेल्स भी बढ़ जाते हैं। मूली के पत्ते से सेवन की बात करें तो इसमें आयरन, फोस्फोरस, कैल्शियम आदि चीजें भरपूर मात्रा में पाई जाती हैं। इसके सेवन से ब्लड में अवशोषण को नियंत्रित्र करने में सहायता करता है।

शरीर में खून की कमी को दूर करने में होता है फायदेमंद

यदि आपके शरीर में खून की कमी है तो इसे दूर करने के लिए आप मूली के पत्तों का सेवन कर सकते हैं। मूली के पत्तों में विटामिन, कैल्शियम, विटामिन ए आदि चीजें भरपूर मात्रा में पाई जाती हैं। वहीं मूली के पत्तों के रोजाना सेवन से इम्युनिटी दिन-प्रतिदिन मजबूत होती जाती है। यदि आप रोजाना सेवन करते हैं हैं तो इससे आपको लाभ मिलता है। वहीं यदि आप अत्यधिक कमजोर हैं तो भी मूली के पत्तों का सेवन बहुत ही ज्यादा लाभदायक साबित हो सकता है। इसके सेवन से शरीर में काफी सारी बीमारियां दूर हो जाएंगी।

ब्लड शुगर में मूली के पत्तों का सेवन

- मूली के पत्तों को आप सब्जी के रूप में कर सकते हैं, इसकी सब्जी स्वादिष्ट होती है वहीं ब्लड शुगर के लेवल को नियंत्रण में रखने में भी मददगार होती हैं।
- आप मूली के पत्तों को सलाद के रूप में भी खा सकते हैं।
- पत्तों को तो डाइट में शामिल करें ही साथ ही साथ मूली को भी सलाद के रूप में सेवन कर सकते हैं।
- ज्यादा फायदा पाना चाहते हैं तो इसके पत्तों से रस को निकालकर भी पी सकते हैं।
- मूली के पत्तों का जूस यदि आप पालक के साथ सेवन करते हैं तो ये और भी ज्यादा फायदेमंद साबित होती है।

हंसना मना है

एक दिन पति ने पत्नी को शराब चखाई।
पत्नी: यह तो बहुत कड़वी है। पति: तो तुम क्या समझती थी कि मैं अय्याशी करता हूं। जहर के घूंट पीता हूं, जहर के।

टीचर संता से: तुम बताओ, नीम हकीम खतरा-ए-जान का क्या अर्थ होता है?
संता: ये हकीम तू नीम के पेड़ पर मत चढ़ना, तेरी जान को खतरा है।

किसी पति-पत्नी में झगड़ा हो रहा था।
पति: अब तुम एक शब्द भी मत बोलना वरना मेरे अंदर का पशु जाग जाएगा।
पत्नी: जागने दो तुम्हारे अंदर के पशु को, भला चूहे से भी कोई डरता है।

पप्पू शराब पीकर गाड़ी चला रहा था, अचानक गाड़ी एक खम्बे से टकरा गयी। पुलिस: बाहर निकल। पप्पू: माफ कर दो दरोगा जी पुलिस: अबे दारू पी के गाड़ी चलाता है, मुंह खोल।
पप्पू: अरे नहीं साब, पहले से खूब पी रखी है और कितना पिलाओगे।

मास्टर: पढ़ाई शुरू कर दो, पेपर आने वाले हैं। पप्पू: मैं तो खूब पढ़ाई करता हूं, कुछ भी पूछ लो। मास्टर: बता ताजमहल किसने बनाया। पप्पू: मिस्त्री ने। मास्टर: अबे गधे मतलब किसने बनवाया। पप्पू: ठेकेदार ने बनवाया होगा।

कहानी — सुदामाजी को गरीबी क्यों मिली?

अगर अध्यात्मिक दृष्टिकोण से देखा जाये तो सुदामा जी बहुत धनवान थे। जितना धन उनके पास था किसी के पास नहीं था। लेकिन अगर भौतिक दृष्टि से देखा जाये तो सुदामाजी बहुत निर्धन थे। आखिर क्यों? एक ब्राह्मणी थी जो बहुत गरीब निर्धन थी। भिक्षा मांग कर जीवन यापन करती थी। एक समय ऐसा आया कि पांच दिन तक उसे भिक्षा नही मिली। वह प्रति दिन पानी पीकर भगवान का नाम लेकर सो जाती थी। छठवें दिन उसे भिक्षा में दो मुट्ठी चना मिले। कुटिया पे पहुंचते-पहुंचते रात हो गयी। ब्राह्मणी ने सोंचा अब ये चने रात में नही खाऊंगी। प्रात:काल वासुदेव को भोग लगाकर तब खाऊंगी। यह सोचकर ब्राह्मणी चनों को कपडे में बांधकर रख दिया। और वासुदेव का नाम जपते-जपते सो गयी। देखिये समय का खेल, कहते हैं- पुरुष बली नहीं होत है, समय होत बलवान। ब्राह्मणी के सोने के बाद कुछ चोर चोरी करने के लिए उसकी कुटिया में आ गये। इधर-उधर बहुत ढूँढा। चोरों को वह चनों की बँधी पुटकी मिल गयी चोरों ने समझा इसमें सोने के सिक्के हैं, इतने में ब्राह्मणी जाग गयी और शोर मचाने लगी। गाँव के सारे लोग चोरों को पकड़ने के लिए दौडे, चोर वह पुटकी लेकर भागे। पकड़े जाने के डर से सारे चोर संदीपन मुनि के आश्रम में छिप गये। (संदीपन मुनि का आश्रम गाँव के निकट था जहाँ भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा शिक्षा ग्रहण कर रहे थे। गुरुमाता को लगा की कोई आश्रम के अन्दर आया है, गुरुमाता देखने के लिए आगे बढ़ीं, चोर समझ गये कोई आ रहा है, चोर डर गये और आश्रम से भागे। भागते समय चोरों से वह पुटकी वहीं छूट गयी। और सारे चोर भाग गये। इधर भूख से व्याकुल ब्राह्मणी ने जब जाना कि उसकी चने की पुटकी चोर उठा ले गये। तो ब्राह्मणी ने श्राप दे दिया की मुझ दीनहीन असहाय के जो भी चने खायेगा वह दरिद्र हो जायेगा। उधर प्रात:काल गुरु माता आश्रम मे झाड़ू लगाने लगी। झाड़ू लगाते समय गुरु माता को वही चने की पुटकी मिली गुरु माता ने पुटकी खोल के देखी तो उसमे चने थे। सुदामा जी और कृष्ण भगवान जंगल से लकड़ी लाने जा रहे थे (रोज की तरह)। गुरु माता ने वह चने की पुटकी सुदामा जी को दे दी। और कहा बेटा ! जब वन में भूख लगे तो दोनों लोग यह चने खा लेना। सुदामा जी जन्मजात ब्रह्मज्ञानी थे। ज्यों ही चने की पुटकी सुदामा जी ने हाथ में लिया त्यों ही उन्हें सारा रहस्य मालुम हो गया। सुदामा जी ने सोचा! गुरु माता ने कहा है यह चने दोनो लोग बराबर बाँट के खाना। लेकिन ये चने अगर मैंने त्रिभुवनपति श्रीकृष्ण को खिला दिये तो सारी सृष्टी दरिद्र हो जायेगी। नहीं-नहीं मै ऐसा नही करुँगा, मेरे जीवित रहते मेरे प्रभु दरिद्र हो जायें मैं ऐसा कदापि नही करुँगा। मैं ये चने स्वयं खा जाऊँगा लेकिन कृष्ण को नही खाने दूँगा। और सुदामा जी ने सारे चने खुद खा लिए। दरिद्रता का श्राप सुदामा जी ने स्वयं ले लिया, चने खाकर। लेकिन अपने मित्र श्री कृष्ण को एक भी दाना चना नहीं दिया।

8 अंतर खोजें

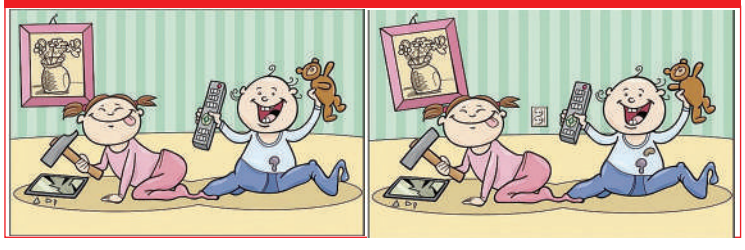

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — व्यवसाय ठीक चलेगा। परिवार की चिंता रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। थकान रहेगी। पिता का स्वास्थ्य संतोष देगा। अहंकार के भाव मन में न आने दें।

वृषभ — व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कार्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में विभिन्न बाधाओं से मन अशांत रहेगा।

मिथुन — व्यापार में मनोनुकूल लाभ होने के योग हैं। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। कामकाज की जिज्ञासा बढ़ेगी। बेरोजगारी दूर होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

कर्क — मित्रों की मदद से समस्या का समाधान हो सकेगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। मान बढ़ेगा। धनार्जन होगा। थकान रहेगी। रचनात्मक कार्य में मन लगेगा। अपना व्यवहार संयमित रखकर काम करें।

सिंह — लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। शत्रु से सतर्क रहें। काम के प्रति लापरवाही न करें, किसी बात पर मतभेद की संभावना है। शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। विवाद न करें।

कन्या — सुख के साधन जुटेंगे। शत्रु परास्त होंगे। सुखवृद्धि एवं पारिवारिक उन्नति होगी। आर्थिक योजनाओं में धन का निवेश हो सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा।

तुला — अनसोचे कार्य होंगे। दांपत्य जीवन में मनमुटाव हो सकता है। पारिवारिक समस्याएँ सूझबूझ से निपटाएँ। कार्य में सहयोग मिलेगा। सामाजिक मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। फालतू खर्च होगा।

वृश्चिक — मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक तनाव से मन परेशान रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नए अनुबंध हो सकते हैं। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें।

धनु — व्यापार में लाभ होने के योग हैं। धार्मिक कामों में रुचि बढ़ेगी। चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम न लें। झंझटों में न पड़ें। अपनी स्थिति, योग्यता के अनुरूप कार्य करें।

मकर — प्रयास सफल रहेंगे। योजना बनेगी। आशानुरूप स्थिति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। व्यापारिक गोपनीयता भंग न करें। पूंजी निवेश लाभकारी रहेगा। व्यापार की चिंता रहेगी।

कुम्भ — धनागम होगा। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें। नौकरी में ऐच्छिक स्थानांतरण एवं पदोन्नति के योग हैं। स्वाध्याय के महत्व को समझें।

मीन — धनार्जन होगा। प्रसन्नता रहेगी। यश, प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग हैं। मनोरंजन के अवसर उपलब्ध होंगे। अनसोचे कामों में हाथ नहीं डालें। कामकाज की जिज्ञासा बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

बॉलीवुड | भोजपुरी

अक्षरा के ग्लैमरस अंदाज ने इंटरनेट पर लगाई आग

भोजपुरी की टॉप एक्ट्रेसेस की लिस्ट में अपना नाम दर्ज करवा चुकीं अक्षरा सिंह बिग बॉस ओटीटी से निकलने के बाद से ही लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। बीते कुछ समय में एक्ट्रेस की फैन फॉलोइंग में भी काफी इजाफा हुआ है। इन दिनों वह लोगों की पहली पसंद बनी हुई हैं। अब एक बार फिर से अपने एक ग्लैमरस वीडियो की वजह से एक्ट्रेस चर्चा में हैं। 'भोजपुरी क्वीन' अक्षरा अपने चाहने वालों के साथ जुड़े रहने के लिए सोशल मीडिया साइट्स पर खूब एक्टिव रहती हैं। वह आए दिन अपनी तस्वीरें और वीडियोज पोस्ट कर इंटरनेट का तापमान हाई कर देती हैं। आज वह उस मुकाम पर हैं जहां फैंस उनकी एक झलक के दीवाने रहते हैं। अब अक्षरा एक बार फिर से सुर्खियों में आ गई हैं। खबर लिखने से करीब 15 घंटे पहले एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह दिलकश अदाएं दिखाती नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस का ये वीडियो फैंस के बीच छाया हुआ है। इस वीडियो में वह बेहद बोल्ड नजर आ रही हैं। अक्षरा सिंह ने बोल्ड अंदाज में अपना वीडियो शेयर कर लिखा, तेरी आंखों में ऐसे बस जाऊं। इस वीडियो में भोजपुरी एक्ट्रेस का लुक देखने लायक है। उनका अंदाज फैंस को काफी अट्रैक्ट कर रहा है। देखते ही देखते उनके द्वारा पोस्ट किया गया वीडियो तेजी से वायरल होने लगा है। एक लाख से अधिक लोगों ने अक्षरा सिंह के इस शॉर्ट वीडियो को लाइक किया है। एक्ट्रेस के वर्क फंट की बात करें तो बिग बॉस से लौटने के बाद वह हिंदी म्यूजिक वीडियो के लिए काम कर रही हैं। अक्षरा सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपने काम को लेकर जानकारी इंस्टाग्राम समेत दूसरे सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं।

रकुल प्रीत की छतरीवाली का फर्स्ट लुक रिलीज

रकुल प्रीत सिंह के पास इस समय कई फिल्मों की लाइन लगी हुई है। वह रोनी क्रूवाला की वीमेन सेंट्रिक फिल्म छतरीवाली में भी नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में वह अपने करियर का सबसे बोल्ड किरदार निभाते दिखेंगी। बीते दिनों रकुल प्रीत सिंह ने इस फिल्म की शूटिंग शुरू की थी। वहीं अब फिल्म छतरीवाली का फर्स्ट लुक सामने आ गया है। सोशल फैमिली एंटरटेनर छतरीवाली में रकुल पहले कभी नहीं देखे गए अनोखे करैक्टर में नजर आएगी, जिसकी हाल ही में लखनऊ में शूटिंग शुरू हो गई है। पोस्टर में रकुल प्रीत सिंह नजर आ रही हैं। उन्होंने अपने हाथ में कंडोम का एक बड़ा पैकेट पकड़ा हुआ है, जिसपर फिल्म का टाइटल छतरीवाली लिखा नजर आ रहा है। इस पोस्टर को शेयर करते हुए रकुल ने लिखा, बिन मौसम बरसात कभी भी हो सकती है... अपनी छत्री तैयार रखिए। पेश है छतरीवाली का फर्स्ट लुक। नौकरी के लिए बेताब, छोटे शहर करनाल में एक महिला बेरोजगार केमिस्ट्री ग्रेजुएट एक सीक्रेट कंडोम टेस्टर बन जाती

है, एक ऐसा रहस्य जिसे उसे अपने आस-पास के सभी लोगों से छिपाना है। छतरीवाली एक विचित्र ड्रामा है और प्रोडक्शन हाउस की एक अन्य नई हाई-कॉन्सेप्ट फिल्म है जो दर्शकों के लिए पाथ-ब्रेकिंग विषयों को लाने के लिए जाना जाता है। निर्देशक तेजस देवस्कर ने साझा किया, हमारी फिल्म एक सोशल फैमिली एंटरटेनर है, जिसका उद्देश्य कंडोम के उपयोग को कलंकित करना है और हम वास्तव में उत्साहित हैं कि फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई है। रकुल अपनी हर भूमिका में ताजगी लाती हैं और इस तरह के संवेदनशील, विचारोत्तेजक विषय के साथ, दर्शक निश्चित रूप से कॉमेडी की रोलर-कोस्टर सवारी का आनंद लेंगे। अपने उत्साह

बॉलीवुड | मसाला

को साझा करते हुए रकुल प्रीत सिंह कहती हैं, यह काफी दिलचस्प और हटके विषय है और मैं अपने किरदार का सफर शुरू करने को लेकर बहुत रोमांचित हूं। कुछ मुद्दों को हल्के-फुल्के तरीके से उजागर करना महत्वपूर्ण है और इस बात ने मुझे काफी उत्साहित किया है। फिल्म छतरीवाली का निर्देशन तेजस प्रभा विजय देओस्कर कर रहे हैं।

करिश्मा तन्ना भी जल्द लेंगी सात फेरे

टीवी एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। करिश्मा तन्ना पिछले कुछ समय से काम ब्रेक लेकर फ्री टाइम एन्जॉय कर रही हैं। ताजा खबरों के अनुसार करिश्मा ने अपने बॉयफ्रेंड वरुण बंगेरा संग बीते दिन मुंबई में सगाई कर ली है। करिश्मा और वरुण पिछले कुछ वक्त से एक दूसरे के साथ थे। वरुण बगेरा रियल स्टेट व्यापारी है। बताया जा रहा है कि करिश्मा की सगाई का कार्यक्रम बहुत ही सीक्रेट तरह से हुआ है। वरुण ने करिश्मा तन्ना के साथ सोशल मीडिया पर एक कोजी तस्वीर शेयर की है। वहीं करिश्मा तन्ना ने एक केक की तस्वीर शेयर की है, जिस पर बधाई हो लिखा हुआ है। खबरों के अनुसार करिश्मा कि सगाई उनके परिवार और दोस्तों की मौजूदगी में की गई है। करिश्मा और वरुण सुमित लोहिया नामक दोस्त के माध्यम से मिले थे। दोनों तब से एक-दूसरे के साथ जुड़े हैं। बता दें कि वरुण से पहले करिश्मा तन्ना का नाम पर्ल वी पूरी के साथ रिलेशनशिप में होने की चर्चा थी। वहीं बिग बॉस के दिनों में करिश्मा उपेन पटेल को डेट कररही थीं। वर्कफ्रंट की बात करें तो करिश्मा तन्ना आखिरी पर फिल्म सूरज पे मंगल भारी में नजर आई थीं। इस फिल्म में एक्ट्रेस ने स्पेशल डांस नंबर किया था। इसके अलावा वह नच बलिए, बिग बॉस 8, झलक दिखला जा और खतरों के खिलाड़ी 10 जैसे रियलिटी शोज का हिस्सा रह चुकी हैं।

अजब-गजब | चमत्कार से कम नहीं है ये जगह

यहां काम नहीं करती ग्रेविटी, हवा में उड़ने लगती हैं चीजें

दुनिया की कोई भी चीज आसमान से गिरने पर जमीन पर ही आती है। ये सब जमीन की ग्रेविटी के कारण होता है। आज हम आपको एक ऐसे स्थान के बारे में बताने जा रहे हैं जहां ग्रेविटी काम नहीं करती बल्कि चीजें आसमान में उड़ने लगती हैं। ये स्थान जमीन पर ही मौजूद है। इसे देखकर दुनियाभर के वैज्ञानिक भी हैरान है। इस स्थान पर आते ही चीजें जमीन पर न गिरकर आसमान में उड़ने लगती हैं। दरअसल, हम बात कर रहे हैं अमेरिका के हूवर डैम की। जो अमेरिका के नेवादा और एरिजोना राज्य की सीमा पर स्थित है। इसके पीछे की वजह हूवर डैम की बनावट को माना जाता है।

इसकी बनावट की वजह से ही कोई सामान हवा में उड़ने लगता है और उनपर ग्रेविटी का असर नहीं होता है। मान लो अगर हूवर डैम से कोई बोतल से पानी नीचे फेंकता है तो पानी जमीन पर न गिरकर हवा में उड़ने लगता है। हालांकि वैज्ञानिकों को मानना है कि ऐसा हूवर डैम की बनावट के कारण होता है। बता दें कि हूवर डैम की ऊंचाई और इसके धनुष के आकार में बने होने के कारण यहां चलने वाली हवा डैम की दीवार से टकराकर नीचे से ऊपर की तरफ चलने लगती है। इसीलिए हूवर डैम से नीचे फेंकी गई चीजें जमीन पर नहीं गिरती हैं बल्कि हवा में उड़ने लगती हैं। बता दें कि हूवर डैम की ऊंचाई 726 फीट है। वहीं इसके बेस की मोटाई 660 फीट है जो फुटबॉल के दो मैदानों के बराबर है। हूवर डैम जिस नदी पर बनाया गया है उसका नाम कोलोराडो नदी है। कोलोराडो नदी की लंबाई 2334 किलोमीटर है। बता दें कि अमेरिका में हूवर डैम का निर्माण 1931 से 1936 के बीच किया गया था। हूवर डैम का नाम अमेरिका के 31वें राष्ट्रपति हर्बर्ट हूवर के नाम पर रखा गया था। इस बांध को तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी। रूजवेल्ट ने 30 सितंबर, 1935 को राष्ट्र को समर्पित किया था। इसके निर्माण में हजारों श्रमिकों को लगाया गया था। जिनमें से निर्माम के दौरान करीब सौ श्रमिकों की मौत भी हुई। इस बांध के निर्माण के दौरान ही कांग्रेस (अमेरिकी संसद) द्वारा पारित बिलों में राष्ट्रपति हर्बर्ट हूवर का नाम देने का जिक्र किया गया। लेकिन रूजवेल्ट प्रशासन ने इसे बोल्डर बांध का नाम दिया। हालांकि साल 1947 में कांग्रेस द्वारा हूवर बांध का नाम दोबारो से बहाल कर दिया।

शख्स ने जानबूझकर ट्रेन से कटवा दिए दोनों पैर, वजह जानकर हो जायेंगे हैरान

अपना फ्यूचर सिक्योर करने के लिए हर कोई इंश्योरेंस करवाता है, ताकि जरूरत पड़ने पर इसका इस्तेमाल किय जा सके। कभी-कभी जरुरत पड़ने पर इंश्योरेंस के पैसे निकालने के लिए लोग कई तरह के तरकीब लगाते हैं। वहीं कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो इंश्योरेंस का फायदा उठाने के लिए गलत तरीके भी अपना लेते हैं। ऐसा ही फ्रॉड का एक मामला हंगरी में हुआ है। ये फ्रॉड साल 2014 में हुआ था, जिसका खुलासा अब जाकर हुआ है। बीमा के पैसे लेने के लिए हंगरी में एक शख्स ने ऐसा खौफनाक कदम उठा लिया था कि उसे जिंदगी भर के लिए विकलांग होना पड़ा। सैंडर नाम का यह शख्स हंगरी के न्यिरकसजारी गांव का रहने वाला है। इस शख्स ने बीमा के 24 करोड़ रुपए पाने की लालच में ट्रेन से अपने हाथ-पांव ही कटवा डाले। शख्स ने खुद ट्रेन की पटरी पर लेटकर अपने दोनों पैर गंवा दिए ताकि बीमा की रकम पा सके। ट्रेन हादसे के बाद शख्स ने घुटने के नीचे से पूरे पैर और अपने हाथ गवां दिए। इसके बाद उसे नकली हाथ-पैर लगाए गए। शख्स ने इस हादसे के बाद अपने इंश्योरेंस कंपनी से अपने पैसे लेने के लिए क्लेम किया। क्लेम के बाद इंश्योरेंस कंपनी अपनी ओर से फील्ड चेक करवाती है। संतुष्ट होने के बाद ही वह बीमा के पैसे होल्डर को देती है। इस केस में भी ऐसा ही हुआ, जब इंश्योरेंस कंपनी ने पैसे देने से पहले जांच की तो ऐसी बात सामने आई जिसने सभी के होश उड़ा दिए। जांच में पता चला कि सैंडर ने बीमा के पैसे पाने के लिए जानबूझकर अपना एक्सीडेंट कराया था। इंश्योरेंस कंपनी ने पाया कि उसने खुद ही चलती ट्रेन के आगे छलांग लगाई थी। सिर्फ यही नहीं ये सारे इंश्योरेंस सैंडर ने एक साल के अंदर करवाए थे। इस मामले में 9 नवंबर को डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने अपना फैसला भी सुनाया। कोर्ट ने कहा कि सैंडर ने इंश्योरेंस के पैसे निकालने के लिए जानबूझकर अपना एक्सीडेंट करवाया था। सैंडर ने दावा किया कि वो कांच के टुकड़े पर फिसलकर अपना संतुलन खो बैठा था और ट्रेन की पटरी पर गिर गया। इस हादसे में उसके दोनों पैर चले गए, सात साल तक चलने वाली एक जांच ने निष्कर्ष निकाला है कि वो जानबूझकर ट्रेन के आगे लेट गया था, जिससे उसके पैर कट गए। वहीं अब सैंडर पर इस धोखाधड़ी के लिए दो साल कैद के साथ 4 लाख 71 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है।

हमीरपुर में भीषण सड़क हादसा चार लोगों की मौत, दो जख्मी

» शादी में शामिल होने अरतरा गांव जा रहे थे स्कार्पियो सवार

» दो घायलों की हालत नाजुक, कानपुर रेफर, ट्रक चालक फरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हमीरपुर। जिले में सोमवार को देर शाम भीषण सड़क हादसा हुआ। कानपुर-सागर हाईवे पर प्रेमनगर स्थित जेके सीमेंट के पास स्कार्पियो और ट्रक की आमने-सामने भिड़ंत हो गई, जिसमें स्कार्पियो सवार उरई के चार लोगों की मौत हो गई जबकि दो की हालत गंभीर है। ये लोग मौदहा के अरतरा गांव में शादी में शामिल होने जा रहे थे। पुलिस ने स्कॉर्पियो काटकर शवों को बाहर निकाला। घटना से हाईवे पर जाम लग गया। घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां से कानपुर रेफर कर दिया गया।

अरतरा गांव निवासी रंजीत कुमार ने बताया कि उसकी बहन रीना देवी की शादी में शामिल होने के लिए जालौन के उरई शहर के राजेंद्र नगर मोहल्ला निवासी उनके साढ़ू चंद्रेश (46) अपनी पत्नी मीना (45), बेटी खुशी (17), रिश्तेदार मोहनी (50), गोविंदश्री (47) और काजल (14) के साथ स्कॉर्पियो से अरतरा आ रहे थे। प्रेम नगर स्थित जेके सीमेंट के पास महोबा की ओर से आ रहे ट्रक ने उसकी स्कॉर्पियो में टक्कर मार दी। स्कार्पियो चला रहे चंद्रेश, उनकी पत्नी मीना, मोहनी और काजल की मौके पर मौत हो गई। खुशी (17) व गोविंदश्री (50) को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां से सदर अस्पताल फिर कानपुर रेफर कर दिया गया है। उधर, हादसे के बाद चालक ट्रक को घटनास्थल पर छोड़कर फरार हो गया। ट्रक में गिट्टी लदी बताई गई है। एसपी कमलेश कुमार दीक्षित ने बताया कि चंद्रेश बुरी तरह से स्कॉर्पियो में फंस गए थे। पुलिस ने स्कॉर्पियो काटकर बाहर निकाला। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मचा हुआ है।

श्रीनगर में आत्मघाती हमले की साजिश नाकाम, दो आतंकी व एक मददगार ढेर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। सुरक्षाबलों ने श्रीनगर में एक बड़े आत्मघाती हमले की साजिश को नाकाम बनाते हुए दो आतंकियों को एक मुठभेड़ में मार गिराया। इस दौरान आतंकियों का एक मददगार आतंकियों की ही गोली की चपेट में आकर मारा गया। मरने वालों में एक त्राल का आतंकी समीर अहमद और दूसरा जम्मू संभाग में बनिहाल का रहने वाला आमिर है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आत्मघाती हमले को अंजाम देने के लिए आतंकियों के शहर में घुसने की सूचना पर सुरक्षा बढ़ाई गई थी। इसी दौरान सूचना मिली कि आतंकियों का एक दल हैदरपोरा के पास गलवनपोरा में श्रीनगर-बारामुला राजमार्ग पर निजी अस्पताल के पास देखा गया है। पुलिस के विशेष अभियान दल (एसओजी) ने सीआरपीएफ जवानों के साथ मिलकर आतंकियों की घेराबंदी शुरूकर दी। आतंकियों ने खुद को बचाने का प्रयास करते हुए दो से तीन लोगों को बंधक बनाने का भी प्रयास किया लेकिन सुरक्षाबलों की त्वरित कार्रवाई और सूझबूझ से आतंकी अपने मंसूबे में नाकाम रहे। आतंकियों ने जवानों की आत्मसमर्पण की चेतावनी को ठुकराते हुए गोली चला दी, जवानों ने जवाबी फायर किया और अगले छह मिनट में एक आतंकी को मार गिराया। रात करीब पौने आठ बजे दूसरा आतंकी भी मारा गया। इस दौरान आतंकियों का मददगार और उनका ओवरग्राउंड वर्कर अल्ताफ भी गोली लगने से जख्मी हो गया। उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। कश्मीर के आईजीपी विजय कुमार ने बताया कि मुठभेड़स्थल से जो डिजिटल सुबूत मिले हैं, उनसे पता चलता है कि अल्ताफ डार आतंकियों का मददगार था।

चुनावी मेनिफेस्टो में आदिवासी होंगे कांग्रेस का मुख्य मुद्दा: कमलनाथ

» मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम ने भाजपा पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जबलपुर। मध्य प्रदेश में 2018 में किसान कर्जमाफी के मुद्दे पर सत्ता में आयी कांग्रेस अब 2023 में आदिवासियों के भरोसे है। आदिवासियों का अगर दिल जीत लिया तो चुनाव भी जीत जाएंगे, इस भरोसे के साथ कांग्रेस आगे बढ़ रही है। भाजपा ने सोमवार को भोपाल में तो कांग्रेस ने जबलपुर में आदिवासी सम्मेलन किया। यहां कमलनाथ ने ऐलान किया कि 2023 के विधान सभा चुनाव में आदिवासी ही उनके मेनिफेस्टो का मुख्य मुद्दा होंगे।

पूर्व सीएम कमलनाथ ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने भोपाल में हुए जनजातीय गौरव दिवस के आयोजन को प्रशासनिक ठेकेदारों का आयोजन कहा। कमलनाथ का कहना था कि 18 साल बाद शिवराज सिंह चौहान को बिरसा मुंडा और आदिवासियों की याद आई है। ऐसे में समझा जा सकता है कि किस तरह का सम्मान आदिवासियों को भाजपा दे रही है। उन्होंने कहा प्रदेश में एक करोड़ 65 लाख आबादी आदिवासी है। जो आज भी सबसे पिछड़ी हुई है इसलिए इनके उत्थान के लिए सिर्फ और सिर्फ कांग्रेस ही काम कर सकती है।

पांच तस्कर गिरफ्तार, भारी मात्रा में शराब बरामद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। प्रयागराज जंक्शन पर आरपीएफ ने सोमवार की देर रात पांच तस्करों को भारी मात्रा में शराब के साथ पकड़ा। 05631 बाड़मेर गुवाहाटी एक्सप्रेस से पांचों को गिरफ्तार किया गया। तस्करों के पास से ढाई लाख रुपये से अधिक की शराब बरामद हुई। तस्कर ट्रेन के बाथरूम में शराब छिपाकर ले जा रहे थे।

आरपीएफ के प्रभारी निरीक्षक वीपी सिंह ने बताया कि बिहार में शराब प्रतिबंधित होने के कारण तस्करी कर शराब ले जाई जा रही थी। यह गिरोह काफी दिन से सक्रिय है और बाथरूम की शीट के पास शराब छिपाकर ले जाया करते थे। गिरफ्तार तस्करों में रोहित कुमार, डब्लू कुमार , चंदन कुमार पुत्र राजकुमार, नेपाली साहनी पुत्र सोहराज साहनी व एक अन्य निवासीगण फतुहा, पटना बिहार के हैं। इनके पास से अंग्रेजी शराब व देशी शराब की बोतलें मिली हैं।

करतारपुर कॉरिडोर पर फैसला जल्द राष्ट्रपति से मिले पंजाब भाजपा के नेता

» गुरुपर्व पर मिल सकता है तोहफा, जेपी नड्डा से भी की चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। 19 नवंबर को श्री गुरुनानक देव के प्रकाश पर्व पर करतारपुर कॉरिडोर खोले जाने पर केंद्र सरकार जल्द फैसला ले सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बाद सोमवार को इस मांग को लेकर पंजाब भाजपा नेताओं के एक दल ने राष्ट्रपति से मुलाकात की। दिल्ली दौरे के दौरान पंजाब के नेताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित अन्य केंद्रीय मंत्रियों के साथ बैठक की। इसमें केंद्रीय नेतृत्व ने नेताओं से सूबे की 117 विधान सभा सीटों के राजनीतिक हालातों पर चर्चा की।

राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने बताया कि 19 को प्रकाश पर्व आ रहा है। नानक नाम लेवा और सिखों की भावनाओं को देखते हुए कॉरिडोर खुलना आवश्यक है। अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संक्रमण की दर में भी काफी गिरावट आई है इसलिए प्रधानमंत्री के साथ ही राष्ट्रपति से भी कॉरिडोर खोलने की मांग पंजाब भाजपा द्वारा की गई है। उन्होंने दावा किया कि जल्द ही केंद्र सरकार कॉरिडोर खोले जाने को लेकर फैसला करेगी। इससे पहले पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी भाजपा के नेताओं ने मुलाकात की। इस दौरान पंजाब के राजनीतिक हालातों पर चर्चा की गई। किसान आंदोलन पर भी चर्चा हुई।

जारी रहेगी शराबबंदी, फैसले पर पुनर्विचार का सवाल नहीं: नीतीश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में अवैध शराब से हुई मौतों और शराबबंदी पर उठ रहे सवालों के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा है कि राज्य में शराबंदी लागू रहेगी। इस फैसले पर पुनर्विचार को कोई सवाल नहीं है। उन्होंने कहा कि फिर से जनजागरण अभियान चलाकर लोगों को बताना होगा कि शराब पीओगे तो मरोगे।

उन्होंने कहा कि कुछ लोग मेरे खिलाफ हो गए क्योंकि मैंने राज्य में शराबबंदी का आदेश दिया था और मैं इसे लेकर अब भी गंभीर हूं। जो इसका विरोध करते हैं उन्हें बुरा लगता है। यह अलग बात है, उनकी अपनी राय हो सकती है। लेकिन हमने राज्य की महिलाओं व पुरुषों की सुनी, मैं शराब के खिलाफ खड़ा हूं। शराबबंदी से अपराध में कमी आई। हादसे कम हुए। नीतीश कुमार ने कहा कि शराबबंदी प्रभावी तरीके से लागू करने के लिए जागरूकता अभियान फिर से चलाया जाएगा। मंगलवार को वह इसे लेकर समीक्षा बैठक करने वाले हैं। राज्य में अपराध बढ़ने को लेकर पूछे गए सवाल पर नीतीश कुमार ने कहा कि राज्य में अपराध के आंकड़े नहीं बढ़े हैं। यदि कोई घटना होती है तो कार्रवाई की जाती है। प्रशासन व पुलिस सक्रिय है। जहां भी कुछ घटना होती है तुरंत एक्शन लिया जाता है।

तो जनता के पैसे से पीएम के कार्यक्रम में जुटायी जा रही भीड़!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» प्रदेश सरकार ने अधिकारियों को आयोजन में लगाया

» सर्वे से घबरायी है भाजपा, 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

लखनऊ। पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के उद्घाटन से पहले घमासान जारी है। सपा गाजीपुर में अपना सम्मेलन करने जा रही थी लेकिन पीएम की सुरक्षा का हवाला देते हुए गाजीपुर प्रशासन ने इस पर रोक लगा दी। लोग हैरान है कि उद्घाटन स्थल से डेढ़ सौ किमी पर सपा का कार्यक्रम है, इससे पीएम को क्या खतरा होगा। वहीं योगी सरकार के अफसर विघ्न डालने में पीछे नहीं है। कहीं अफसर पीएम की सभा में भीड़ जुटाने के लिए बस तो कहीं सरकारी विभाग से पैसों के इंतजाम का लेटर जारी कर रहे हैं। सवाल यह है कि क्या जनता के पैसे से भीड़ जुटाया जाना उचित है? ऐसे कई सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार श्रवण गर्ग, शीतल पी सिंह, रंजीव, श्वेता आर रश्मि, अजय शुक्ला और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच चली लंबी परिचर्चा में।

रंजीव ने कहा, यह अफरातफरी हालिया सर्वे के कारण दिखायी पड़ रही है, जिसमें कहा गया है कि सपा की सीटें बढ़ रही हैं और भाजपा की सीटें कम हो रही हैं। यह मनोवैज्ञानिक दवाब का परिणाम है लेकिन टैक्स प्रेयर के पैसे से भीड़ जुटाने की व्यवस्था नहीं की जानी चाहिए। यह पीएम के प्रति असम्मान है। श्वेता आर रश्मि ने कहा, जनता के पैसे से भीड़ जुटायी जा रही है। अधिकारियों को इसके लिए लगा दिया गया है। सरकार टैक्स प्रेयर के पैसे की बर्बादी कर रही है। शीतल पी सिंह ने कहा, पिछले तीन साल से सीएम हवाई यात्रा कर रहे हैं। सभाओं का संबोधन करते हैं और उसके लिए पार्टी और अधिकारी व्यवस्था करते हैं। यह स्थिति तब है जब प्रदेश की आर्थिक हालत खराब हो चुकी है।

श्रवण गर्ग ने कहा, पीएम की सभा में अगर भीड़ नहीं आयी तो आयोजकों की गर्दन नप जाएगी। अगर पीएम के कार्यक्रम में भीड़ नहीं होगी तो इसका संदेश गलत जाएगा। भाजपा डरी हुई है इसलिए ऐसा कर रही है। अजय शुक्ला ने कहा, हर चुनाव में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में पूरा सरकारी अमला और संसाधन का प्रयोग किया जाता है। इसमें आपदा राहत कोष का पैसा खर्च हो रहा है। यह जनता के मदद के लिए होता है।

महिला अपराध में और कमी लाने की जरूरत : डीजीपी

सामुदायिक भागीदारी एवं जनजागरुकता कार्यक्रम का शुभारंभ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वीमेन पावर लाइन का 10वां स्थापना दिवस कल मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पुलिस महानिदेशक मुकुल गोयल ने कहा कि महिआओं के प्रति अपराध में कमी नहीं आ रही है। इस दिशा में और प्रयास की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पुलिस के साथ समाज के हर वर्ग के लोगों को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। कार्यक्रम के दौरान डीजीपी ने सामुदायिक भागीदारी एवं जनजागरुकता कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

19 लाख 80 हजार शिकायतें

वीमेन पावर लाइन पर तकरीबन 19 लाख 80 हजार शिकायतें दर्ज की गई हैं। एडीजी नीरा रावत के मुताबिक अधिकांश मामलों का निस्तारण किया जा चुका है। एक से दो फीसदी मामलों का निस्तारण जारी है। वीमेन पावर लाइन में सोमवार को प्रशिक्षण मैनुअल भी जारी किया गया। इसके तहत 26 हजार लोगों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य है। इनमें पुलिस, लखनऊ विकास प्राधिकरण, नगर निगम, परिवहन विभाग व स्वास्थ्य विभाग समेत अन्य शामिल हैं। प्रशिक्षण में महिलाओं की सुरक्षा एवं संरक्षा, व्यवहार पहलू एवं विकास, लैंगिक संवेदीकरण और साइबर सुरक्षा एवं जागरुकता मुख्य हैं।

डीजीपी मुकुल गोयल ने 1090 के पंफलेट का अनावरण किया और ग्राम प्रहरियों, राष्ट्रीय सेवा योजना तथा नेहरु युवा केंद्र के सदस्यों को वितरित किया। इस दौरान 1090 के कार्ड, पोस्टर, रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन को भेजे जाने वाले मैसेज, बल्क में भेजे जाने वाले संदेश व रोडवेज बस टिकट ब्रांडिंग का अनावरण भी किया गया। अब रोडवेज बस के टिकट पर 1090 की जानकारी भी होगी। डीजीपी ने सेफ सिटी परियोजना के तहत एलइडी वैन, रोडवेज बस और निजी वाहनों को झंडा दिखाकर रवाना किया, जिनपर जागरुकता से जुड़े स्टीकर लगाए गए हैं। एडीजी महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन नीरा रावत ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए व्यापक स्तर पर किए जा रहे जागरुकता कार्यक्रम के बारे में बताया। उन्होंने कहा व्यापार मंडल, कारपोरेट, टेली सर्विस प्रदाता, सिक्योरिटी गार्ड व ग्राम प्रहरियों समेत संगठनों के सहयोग से अलग अलग कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इनमें हम फार हर व फर्क पड़ता है मुख्य रूप से हैं। गौरतलब है कि वीमेन पावर लाइन की स्थापना 15 नवंबर 2012 को हुई थी। फोन पर महिलाओं से अभद्रता की बढ़ती शिकायतों के निस्तारण के लिए इसकी परिकल्पना की गई थी।

राष्ट्रवाद के नाम पर करें वोट : स्वतंत्र देव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि अपने गांव में दलितों के घर जाएं और उनके साथ चाय पिएं। उन्हें समझाएं कि मतदान जातिवाद, क्षेत्रवाद और पैसे के नाम पर न करें बल्कि राष्ट्रवाद के नाम पर करें। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों ने जाति और क्षेत्र से ऊपर उठकर आजादी की लड़ाई लड़ी तब देश को स्वतंत्रता मिली।

» भाजपा प्रदेश अध्यक्ष कार्यकर्ताओं से बोले- कठिन परिश्रम करें तो बनेगी सरकार

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह ने कहा कि 2022 में भगवान राम के लिए भाजपा की सरकार बनानी है, अयोध्या में राम मंदिर निर्माण पूरा करना है इसलिए कठिन परिश्रम करें। उन्होंने कहा योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में गुंडाराज का खात्मा हुआ है। प्रदेश विकास के रास्ते पर आगे बढ़ा है। प्रदेश में निवेश और रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं। यूपी की पहचान बदल रही है। प्रदेश की 23 करोड़ जनता खुद सुरक्षित महसूस कर रही है। स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि भाजपा किसी एक परिवार का विकास करने वाली पार्टी नहीं है बल्कि राष्ट्रहित ही हमारा मकसद है। जनता भाजपा के कार्यों से संतुष्ट है और इस बार भी प्रचंड बहुमत से भाजपा की सरकार बनेगी। मोदी के नेतृत्व में विश्व में देश की प्रतिष्ठा बढ़ रही है।

जाम से बचाने के लिए कानपुर में हेलीकॉप्टर से घूमेंगे राष्ट्रपति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद 24 और 25 नवंबर को दो दिन के प्रवास में कानपुर शहर के भीतर अधिकतर समय हेलीकॉप्टर के जरिये ही आवागमन करेंगे। राष्ट्रपति भवन ने कानपुर शहर में जाम की समस्या को ध्यान में रखते हुए इस तरह का कार्यक्रम तैयार किया है, जिसमें उन्हें सड़क मार्ग से कम से कम आना जाना पड़े।

24
नवंबर को दो दिन के प्रवास पर आएंगे कोविंद

सूत्र बताते हैं कि 24 नवंबर को राष्ट्रपति का विशेष विमान चकेरी में एयरफोर्स स्टेशन के भीतर बने एयरोड्रम में उतरेगा। वहीं से वे हेलीकॉप्टर के जरिये मेहरबान सिंह का पुरवा स्थित राज्यसभा सदस्य सुखराम यादव के घर जाएंगे। यहां चौधरी हरमोहन सिंह यादव की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। यहां से फिर हेलीकॉप्टर से एयरोड्रम जाएंगे। वहां से कैंट होते हुए सर्किट हाउस पहुंचेंगे। रात्रि विश्राम के बाद अगले दिन 25 नवंबर को राष्ट्रपति एचबीटीयू के शताब्दी वर्ष समारोह में शामिल होंगे।

सीबीआई-ईडी निदेशकों के कार्यकाल विस्तार पर सियासी जंग तय

» विपक्षी दलों ने संसद में सरकार को घेरने का किया एलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सीबीआई और ईडी के निदेशकों का कार्यकाल दो से बढ़ाकर पांच साल करने संबंधी दो अध्यादेशों को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच तलवारें खिंचनी तय हो गई हैं। विपक्षी दलों ने सरकार के इस कदम को संविधान और सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ बताते हुए संसद से सड़क तक अध्यादेश का जोरदार विरोध करने का एलान किया है।

यानी नवंबर के आखिर में शुरू हो रहे संसद के शीत सत्र के दौरान सियासी गर्मी चरम पर होगी। इतना ही नहीं, विपक्षी दलों ने यह भी संकेत दिया है कि अगर बहुमत के बल पर सरकार संसद से इन दोनों अध्यादेशों को पारित कराती है तो विपक्ष इनके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट तक जाने को तैयार है। कांग्रेस समेत दूसरे विपक्षी दलों ने संसद में एकजुट होकर विरोध करने के लिए बातचीत शुरू भी कर दी है। कांग्रेस ने कहा है कि शीत सत्र से महज 14 दिन पहले अध्यादेश के जरिये दो प्रमुख जांच एजेंसियों के निदेशकों को सेवा विस्तार देने के कदम से साफ है कि सरकार इनका विपक्षी दलों और उनके नेताओं के खिलाफ इस्तेमाल करते रहना चाहती है। पार्टी प्रवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि संसद सत्र से ठीक पहले अध्यादेश लाना सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ है जिसमें उसने सेवा विस्तार की सख्त मनाही की है। यह सर्वोच्च अदालत की अवमानना है।

संविधान से ज्यादा महत्वपूर्ण भाजपा का राजनीतिक हित : खड़गे

राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि संविधान से ज्यादा महत्वपूर्ण भाजपा का राजनीतिक हित हो गया है। उन्होंने मोदी सरकार के सात साल के कार्यकाल में अब तक 83 अध्यादेश लाए जाने पर भी सवाल उठाया। संसद में संग्राम का संकेत तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने भी दिया और इस पर विपक्षी दलों के एकजुट होने की बात कही। डेरेक ने कहा कि विपक्षी दल देश को निर्वाचित तानाशाही में तब्दील नहीं होने देंगे और मिलकर इसका विरोध करेंगे।

भाजपा में शामिल होंगे सपा-बसपा के दस एमएलसी

रविशंकर, सीपी चंद, अक्षय प्रसाद सिंह, ब्रजेश सिंह थामेंगे भगवा झंडा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा और बसपा के दस विधान परिषद सदस्य कल भाजपा की सदस्यता ग्रहण करेंगे। भाजपा प्रदेश मुख्यालय में ज्वाइनिंग कमेटी की बैठक में विधानसभा चुनाव में सपा बसपा को करारा झटका देने के लिए उनके वर्तमान विधान परिषद सदस्यों को पार्टी में शामिल करने का निर्णय किया गया। सूत्रों के मुताबिक ज्वाइनिंग कमेटी के समक्ष सपा और बसपा के विधायक और एमएलसी सहित सौ बड़े नेताओं को भाजपा में शामिल कराने का प्रस्ताव रखा गया था।

कुछ विधायकों को भी शामिल कराने की तैयारी

भाजपा ने सपा के कुछ मौजूदा विधायकों को भी भाजपा में शामिल कराने की तैयारी की है। इसी महीने में कुछ अन्य एमएलसी और विधायक भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण करेंगे। कहा ये भी जा रहा है कि जो भी विधायक, पूर्व विधायक भाजपा की सदस्यता ग्रहण करेगा, उसको आगामी चुनाव में टिकट मिलना तय है।

समिति ने सपा के विधान परिषद सदस्य रविशंकर सिंह पप्पू, सीपी चंद, अक्षय प्रसाद सिंह, रमा निरंजन व बसपा के ब्रजेश कुमार सिंह प्रिंसू सहित दस एमएलसी के भाजपा में शामिल क रने की मंजूरी दी। सपा छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले परिषद सदस्यों में अधिकांश सदस्य नगर निकाय क्षेत्र से एमएलसी है। भाजपा ने इन सदस्यों को विधान परिषद के आगामी नगर निकाय क्षेत्र चुनाव में उम्मीदवार बनाने की भी सैद्धांतिक सहमति दे दी है। सपा के सदस्यों को भाजपा में शामिल कराने में उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा और भाजपा के उपाध्यक्ष दयाशंकर सिंह की बड़ी भूमिका रही है। विधानसभा चुनाव से पहले इन सदस्यों के भाजपा में शामिल होने से सपा को बड़ा झटका लगेगा। वहीं, भाजपा को इन सदस्यों के प्रभाव वाले क्षेत्र में फायदा होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।